एमसीयू में जनसंपर्क अधिकारियों के 5 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का सफल समापन

हर अंत एक नई शुरुआत की ओर अग्रसर करता है - कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी

जितना व्यापक नेटवर्क, उतना व्यापक कार्यक्षेत्र: अपर संचालक वाधवा

भोपाल। आज तक 24

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में सहायक जनसंपर्क अधिकारियों के पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का सफल समापन हुआ। इस अवसर पर कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने कहा कि अतः अस्ति आरंभ हर अंत एक नई शुरुआत की ओर अग्रसर करता है। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को शुभकामनाएं दीं और उन्हें प्रोत्साहित करते हुए लेखक जिम कॉर्बेट की पुस्तक 'मेरा हिंदुस्तान' पढ़ने की सलाह दी। जनसंपर्क विभाग के अपर संचालक जी.एस. वाधवा ने अपने संबोधन में लेखन शक्ति को बढ़ाने पर बल देते हुए कहा कि आपका नेटवर्क जितना व्यापक होगा, आपका कार्यक्षेत्र उतना ही प्रभावी और सशक्त होगा।

उन्होंने जिला स्तर पर सूचना का अग्रिम केंद्र बनने और स्थानीय समुदाय से सीधे जुड़ाव बनाए रखने की आवश्यकता पर बल दिया। समापन सत्र में वरिष्ठ पत्रकार श्री अजीत ने अपने अनुभवों को साझा करते हुए डाक युग से लेकर ईमेल और डिजिटल संचार के वर्तमान स्वरूप तक की यात्रा का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता के विविध आयामों और माध्यमों के साथ कदम से कदम मिलाकर चलना आज की आवश्यकता है। जनसंपर्क अधिकारी होने के नाते प्रत्येक अधिकारी को अपने भीतर के पत्रकार को हमेशा जागृत रखना चाहिए। लेखन शैली को रचनात्मक और आकर्षक बनाते हुए खबरों को रोचक बनाना चाहिए। उन्होंने भाषा को सरल बनाए रखने और मानक शब्दावली के प्रयोग पर भी जोर दिया। वरिष्ठ पत्रकार श्री अनिल तिवारी ने प्रतिभागियों को पत्रकारों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध स्थापित करने, शासन की गतिविधियों पर सूक्ष्म नजर रखने और जनता तक सटीक एवं पूर्ण जानकारी पहुँचाने के दायित्व को सर्वोपरि बताया। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि अधिकारियों के साथ सतत संवाद बनाए रखें और अपने क्षेत्र में सूचनाओं के आदान-प्रदान के लिए मजबूत नेटवर्क खड़ा करें। कार्यक्रम के अंत में माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. अविनाश वाजपेयी ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जनसंपर्क अधिकारियों का यह प्रशिक्षण न केवल एक ज्ञानवर्धक मंच सिद्ध हुआ, बल्कि उनके भीतर नेतृत्व, संवाद और प्रभावी संप्रेषण की नई ऊर्जा का संचार भी करता दिखाई दिया। उन्होंने सत्र में शामिल होने के लिए सभी विशिष्ट अतिथियों और प्रतिभागियों का आभार जताया। इस प्रशिक्षण में सहायक जनसंपर्क अधिकारियों को संचार और जनसंपर्क के विविध पहलुओं से अवगत कराया गया। विभिन्न क्षेत्रों से आमंत्रित विशेषज्ञों और अनुभवी जनसंपर्क अधिकारियों ने अपने विचार एवं अनुभव साझा किए। प्रशिक्षण सत्रों ने प्रतिभागियों को न केवल व्यावहारिक समझ दी, बल्कि उन्हें प्रेरित भी किया कि वे अपने उत्तरदायित्वों का निर्वहन प्रभावशाली ढंग से कर सकें।

एमसीयू में जनसंपर्क अधिकारियों के 5 दिवसीय प्रशिक्षण का हुआ समापन

हर अंत एक नई शुरुआत की ओर अग्रसर करता है: कुलगुरु तिवारी

(पोहप सिंह माण्डले)

पीपुल्स प्रवक्ता, भोपाल।

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में सहायक जनसंपर्क अधिकारियों के पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का सफल समापन हुआ। इस अवसर पर कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने कहा कि अतः अस्ति आरंभ÷ हर अंत एक नई शुरुआत की ओर अग्रसर करता है। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को शुभकामनाएं दीं और उन्हें प्रोत्साहित करते हुए लेखक जिम कॉर्बेट की पुस्तक 'मेरा हिंदुस्तान' पढ़ने की सलाह दी। जनसंपर्क विभाग के अपर संचालक जी.एस. वाधवा ने अपने संबोधन में लेखन शक्ति को बढ़ाने पर बल देते हुए कहा कि

आपका नेटवर्क जितना व्यापक होगा, आपका कार्यक्षेत्र उतना ही प्रभावी और सशक्त होगा। उन्होंने जिला स्तर पर सूचना का अग्रिम केंद्र बनने और स्थानीय समुदाय से सीधे जुड़ाव बनाए रखने की आवश्यकता पर बल दिया। समापन सत्र में वरिष्ठ पत्रकार श्री अजीत ने अपने अनुभवों को साझा करते हुए डाक युग से लेकर ईमेल और डिजिटल संचार के वर्तमान स्वरूप तक की यात्रा का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता के विविध आयामों और माध्यमों के साथ कदम से कदम मिलाकर चलना आज की आवश्यकता है। जनसंपर्क अधिकारी होने के नाते प्रत्येक अधिकारी को अपने भीतर के पत्रकार को हमेशा जागृत रखना चाहिए। लेखन शैली को रचनात्मक और आकर्षक बनाते हुए खबरों को रोचक बनाना चाहिए। उन्होंने भाषा को सरल बनाए रखने और मानक शब्दावली के प्रयोग पर भी जोर दिया कार्यक्रम के अंत में माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. अविनाश वाजपेयी ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जनसंपर्क अधिकारियों का यह प्रशिक्षण न केवल एक ज्ञानवर्धक मंच सिद्ध हुआ, बल्कि उनके भीतर नेतृत्व, संवाद और प्रभावी संप्रेषण की नई ऊर्जा का संचार भी करता दिखाई दिया। उन्होंने सत्र में शामिल होने के लिए सभी विशिष्ट अतिथियों और प्रतिभागियों का आभार जताया। इस प्रशिक्षण में सहायक जनसंपर्क अधिकारियों को संचार और जनसंपर्क के विविध पहलुओं से अवगत कराया गया। विभिन्न क्षेत्रों से आमंत्रित विशेषज्ञों और अनुभवी जनसंपर्क अधिकारियों ने अपने विचार एवं अनुभव साझा किए। प्रशिक्षण सत्रों ने प्रतिभागियों को न केवल व्यावहारिक समझ दी, बल्कि उन्हें प्रेरित भी किया कि वे अपने उत्तरदायित्वों का निर्वहन प्रभावशाली ढंग से कर सकें।

कार्यशाला

पत्रकारिता विवि में जनसंपर्क अधिकारियों के प्रशिक्षण कार्यशाला का समापन

एक नई शुरुआत की ओर अग्रसर करता है किसी भी कार्य का अंत : तिवारी

स्वदेश ज्योति संवाददाता, भोपाल

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में सहायक जनसंपर्क अधिकारियों के पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का सफल समापन हुआ। समापन अवसर पर विवि के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी, वरिष्ठ पत्रकार एवं जनसंपर्क विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर कुलगुरु विजयमनोहर तिवारी ने कहा कि 'अतः अस्ति आरंभ हर अंत एक नई शुरुआत की ओर अग्रसर करता है। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को शुभकामनाएं दीं और उन्हें प्रोत्साहित करते हुए लेखक जिम कॉर्बेट की पुस्तक 'मेरा हिंदुस्तान पढ़ने की सलाह दी। जनसंपर्क विभाग के अपर संचालक जीएस वाधवा ने अपने संबोधन में लेखन शक्ति को बढ़ाने पर बल देते हुए कहा कि आपका नेटवर्क जितना व्यापक होगा, आपका कार्यक्षेत्र उतना ही प्रभावी और सशक्त होगा। उन्होंने जिला स्तर पर सूचना का अग्रिम केंद्र बनने और स्थानीय

समुदाय से सीधे जुड़ाव बनाए रखने की आवश्यकता पर बल दिया। समापन सत्र में वरिष्ठ पत्रकार अजीत ने अपने अनुभवों को साझा करते हुए डाक युग से लेकर ईमेल और डिजिटल संचार के वर्तमान स्वरूप तक की यात्रा का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता के विविध आयामों और माध्यमों के साथ कदम से कदम मिलाकर चलना आज की आवश्यकता है। जनसंपर्क अधिकारी होने के नाते प्रत्येक अधिकारी को अपने भीतर के पत्रकार को हमेशा जाग्रत रखना चाहिए। लेखन शैली को रचनात्मक और आकर्षक बनाते हुए खबरों को रोचक बनाना चाहिए। उन्होंने भाषा को सरल बनाए रखने और मानक शब्दावली के प्रयोग पर भी जोर दिया।

अपने भीतर के पत्रकार को बचाये रखें

वरिष्ठ पत्रकार अनिल तिवारी ने प्रतिभागियों को पत्रकारों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध स्थापित करने, शासन की गतिविधियों पर सूक्ष्म नजर रखने और जनता तक सटीक एवं पूर्ण जानकारी पहुँचाने के दायित्व को सर्वोपरि बताया। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि अधिकारियों के साथ सतत संवाद बनाए रखें और अपने क्षेत्र में सूचनाओं के आदान-प्रदान के लिए मजबूत नेटवर्क खड़ा करें। कार्यक्रम के अंत में विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. अविनाश वाजपेयी ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जनसंपर्क अधिकारियों का यह प्रशिक्षण न केवल एक ज्ञानवर्धक मंच सिद्ध हुआ, बल्कि उनके भीतर नेतृत्व, संवाद और प्रभावी संप्रेषण की नई ऊर्जा का संचार भी करता दिखाई दिया। उन्होंने सत्र में शामिल होने के लिए सभी विशिष्ट अतिथियों और प्रतिभागियों का आभार जताया। इस प्रशिक्षण में सहायक जनसंपर्क अधिकारियों को संचार और जनसंपर्क के विविध पहलुओं से अवगत कराया गया। विभिन्न क्षेत्रों से आमंत्रित विशेषज्ञों और अनुभवी जनसंपर्क अधिकारियों ने अपने विचार एवं अनुभव साझा किए। प्रशिक्षण सत्रों ने प्रतिभागियों को न केवल व्यावहारिक समझ दी, बल्कि उन्हें प्रेरित भी किया कि वे अपने उत्तरदायित्वों का निर्वहन प्रभावशाली ढंग से कर सकें।

एमसीयू में जनसंपर्क अधिकारियों के 5 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का सफल समापन

हर अंत एक नई शुरुआत की ओर अग्रसर करता है : कुलगुरु तिवारी

भोपाल ■ अमृतदर्शन

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में सहायक जनसंपर्क अधिकारियों के पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का सफल समापन हुआ। इस अवसर पर कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने कहा कि अत: अस्ति आरंभ हर अंत एक नई शुरुआत की ओर अग्रसर करता है। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को शुभकामनाएं दीं और उन्हें प्रोत्साहित करते हुए लेखक जिम कॉर्बेट की पुस्तक 'मेरा हिंदुस्तान' पढ़ने की सलाह दी।

जनसंपर्क विभाग के अपर संचालक जी.एस. वाधवा ने अपने संबोधन में लेखन शक्ति को बढ़ने पर बल देते हुए कहा कि आपका नेटवर्क जितना व्यापक होगा, आपका कार्यक्षेत्र उतना ही प्रभावी और सशक्त होगा। उन्होंने जिला स्तर पर सूचना का अग्रिम केंद्र बनने और स्थानीय समुदाय से सीधे जुड़ाव बनाए रखने की आवश्यकता पर बल दिया। समापन सत्र में वरिष्ठ पत्रकार श्री अजीत ने अपने अनुभवों को साझा करते हुए डाक युग से लेकर ईमेल और डिजिटल संचार के वर्तमान स्वरूप तक की यात्रा का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता के विविध आयामों और माध्यमों के साथ कदम से कदम मिलाकर चलना आज की आवश्यकता है।

जनसंपर्क अधिकारी होने के नाते प्रत्येक अधिकारी को अपने भीतर के पत्रकार को हमेशा जागृत रखना चाहिए। लेखन शैली को रचनात्मक और आकर्षक बनाते हुए खबरों को रोचक बनाना चाहिए। उन्होंने भाषा को सरल बनाए रखने और मानक शब्दावली के प्रयोग पर भी जोर दिया।

वरिष्ठ पत्रकार श्री अनिल तिवारी ने प्रतिभागियों को पत्रकारों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध स्थापित करने, शासन की गतिविधियों पर सूक्ष्म नजर रखने और जनता तक सटीक एवं पूर्ण जानकारी पहुँचाने के दायित्व को सर्वोपरि बताया। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि अधिकारियों के साथ सतत संवाद बनाए रखें और अपने क्षेत्र में सूचनाओं के आदान-प्रदान के लिए मजबूत नेटवर्क खड़ा करें।

कार्यक्रम के अंत में माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. अविनाश वाजपेयी ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जनसंपर्क अधिकारियों का यह प्रशिक्षण न केवल एक ज्ञानवर्धक मंच सिद्ध हुआ, बल्कि उनके भीतर नेतृत्व, संवाद और प्रभावी संप्रेषण की नई ऊर्जा का संचार भी करता दिखाई दिया। उन्होंने सत्र में शामिल होने के लिए सभी विशिष्ट अतिथियों और प्रतिभागियों का आभार जताया।

इस प्रशिक्षण में सहायक जनसंपर्क अधिकारियों को संचार और जनसंपर्क के विविध पहलुओं से अवगत कराया गया। विभिन्न क्षेत्रों से आमंत्रित विशेषज्ञों और अनुभवी जनसंपर्क अधिकारियों ने अपने विचार एवं अनुभव साझा किए।

भारतीय सहारा हिन्दी दैनिक

मध्य प्रदेश

एमसीयू में जनसंपर्क अधिकारियों के 5 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का सफल समापन

■ हर अंत एक नई शुरूआत की ओर अग्रसर करता है : कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी

■ जितना व्यापक नेटवर्क, उतना व्यापक कार्यक्षेत्रः अपर संचालक वाधवा

■ भारतीय सहारा

भोपाल (रावेंद्र मिश्रा)। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में सहायक जनसंपर्क अधिकारियों के पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का सफल समापन हुआ। इस अवसर पर कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने कहा कि "अतः अस्ति आरंभ" हर अंत एक नई शुरूआत की ओर अग्रसर करता है। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को शुभकामनाएं दीं और उन्हें प्रोत्साहित करते हुए लेखक जिम कॉर्बेट की पुस्तक ह्यमेरा हिंदुस्तानह्ल पढ़ने की सलाह दी। जनसंपर्क विभाग के अपर संचालक जी.एस. वाधवा ने अपने संबोधन में लेखन शक्ति को बढ़ाने पर बल देते हुए कहा कि आपका नेटवर्क जितना व्यापक होगा, आपका कार्यक्षेत्र उतना ही प्रभावी और सशक्त होगा। उन्होंने जिला स्तर पर सूचना का अग्रिम केंद्र बनने और स्थानीय समुदाय से सीधे जुड़ाव बनाए रखने की आवश्यकता पर बल दिया।

समापन सत्र में वरिष्ठ पत्रकार श्री अजीत ने अपने अनुभवों को साझा करते हुए डाक युग से लेकर ईमेल और डिजिटल संचार के वर्तमान स्वरूप तक की यात्रा का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता के विविध आयामों और माध्यमों के साथ कदम से कदम मिलाकर चलना आज की आवश्यकता है। जनसंपर्क अधिकारी होने के नाते प्रत्येक अधिकारी को अपने भीतर के पत्रकार को हमेशा जागृत रखना चाहिए। लेखन शैली को रचनात्मक और आकर्षक बनाते हुए खबरों को रोचक बनाना चाहिए। उन्होंने भाषा को सरल बनाए रखने और मानक शब्दावली के प्रयोग पर भी जोर दिया। वरिष्ठ पत्रकार श्री अनिल तिवारी ने प्रतिभागियों को पत्रकारों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध स्थापित करने, शासन की गतिविधियों पर सूक्ष्म नजर रखने और जनता तक सटीक एवं पूर्ण जानकारी पहुँचाने के दायित्व को सर्वोपरि बताया। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि अधिकारियों के साथ सतत संवाद बनाए रखें और अपने क्षेत्र में सूचनाओं के आदान-प्रदान के लिए मजबूत नेटवर्क खड़ा करें।

कार्यक्रम के अंत में माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. अविनाश वाजपेयी ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जनसंपर्क अधिकारियों का यह प्रशिक्षण न केवल एक ज्ञानवर्धक मंच सिद्ध हुआ, बल्कि उनके भीतर नेतृत्व, संवाद और प्रभावी संप्रेषण की नई ऊर्जा का संचार भी करता दिखाई दिया। उन्होंने सत्र में शामिल होने के लिए सभी विशिष्ट अतिथियों और प्रतिभागियों का आभार जताया। इस प्रशिक्षण में सहायक जनसंपर्क अधिकारियों को संचार और जनसंपर्क के विविध पहलुओं से अवगत कराया गया। विभिन्न क्षेत्रों से आमंत्रित विशेषज्ञों और अनुभवी जनसंपर्क अधिकारियों ने अपने विचार एवं अनुभव साझा किए। प्रशिक्षण सत्रों ने प्रतिभागियों को न केवल व्यावहारिक समझ दी, बल्कि उन्हें प्रेरित भी किया कि वे अपने उत्तरदायित्वों का निर्वहन प्रभावशाली ढंग से कर सकें।

एमसीयू में सहायक जनसंपर्क अधिकारियों की पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का समापन

भोपाल, यशभारत।

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में सहायक जनसंपर्क अधिकारियों के लिए आयोजित पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का समापन गरिमामय वातावरण में हुआ। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम जनसंपर्क अधिकारियों को संचार के विविध आयामों से परिचित कराने और उन्हें व्यावहारिक एवं रचनात्मक कौशल से सुसज्जित करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था।

समापन सत्र में एमसीयू के कुलगुरु प्रो. विजय मनोहर तिवारी ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि अतः अस्ति आरंभज – हर अंत एक नई शुरुआत की ओर ले जाता है। जनसंपर्क अधिकारी के रूप में आप सभी जनसम्पर्क, जनविश्वास और संवाद की सशक्त कड़ी हैं। उन्होंने सभी प्रशिक्षणार्थियों को जिम कॉर्बेट की पुस्तक मेरा हिंदुस्तान पढ़ने की सलाह देते हुए कहा कि पाठ और अनुभव दोनों संवाद को जीवंत बनाते हैं।

जितना व्यापक नेटवर्क, उतना ही प्रभावशाली कार्यक्षेत्र जी.एस. वाधवा

जनसंपर्क विभाग के अपर संचालक जी.एस. वाधवा ने अपने विचार साझा करते हुए कहा कि एक जनसंपर्क अधिकारी का प्रभाव उसके नेटवर्क की व्यापकता पर निर्भर करता है। उन्होंने स्थानीय समुदाय से जुड़ाव बनाए रखने, सूचना के अग्रिम स्रोत बनने और लेखन क्षमता को सतत विकसित करने पर बल दिया। वहीं वरिष्ठ पत्रकार अजीत ने डाक युग से डिजिटल संचार तक की यात्रा का विवरण देते हुए पत्रकारिता के बदलते स्वरूप को रेखांकित किया।

इंडियन मीडिया प्रकाशन
राष्ट्रीय हिन्दी मेल
न दबाव, न भेदभाव
इंदौर, भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर और रायपुर से एक साथ प्रकाशित
दिनांक- 27/06/2025 पृष्ठ क्रमांक- 3 संस्करण- भोपाल प्रधान संपादक- विजय कुमार दास

एमसीयू में जनसंपर्क अधिकारियों के 5 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का समापन सफल

हर अंत एक नई शुरुआत की ओर अग्रसर करता है : कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी

भोपाल। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में सहायक जनसंपर्क अधिकारियों के पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का सफल समापन हुआ। इस अवसर पर कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने कहा कि "अत: अस्ति आरंभ" हर अंत एक नई शुरुआत की ओर अग्रसर करता है। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को शुभकामनाएं दीं और उन्हें प्रोत्साहित करते हुए लेखक जिम कॉर्बेट की पुस्तक 'मेरा हिंदुस्तान' पढ़ने की सलाह दी। जनसंपर्क विभाग के अपर संचालक जी.एस. वाधवा ने अपने संबोधन में लेखन शक्ति को बढ़ाने पर बल देते हुए कहा कि आपका नेटवर्क जितना व्यापक होगा, आपका कार्यक्षेत्र उतना ही प्रभावी और सशक्त होगा। उन्होंने जिला स्तर पर सूचना का अग्रिम केंद्र बनने और स्थानीय समुदाय से सीधे जुड़ाव बनाए रखने की आवश्यकता पर बल दिया। समापन सत्र में वरिष्ठ पत्रकार अजीत ने अपने अनुभवों को साझा करते हुए डाक युग से लेकर ईमेल और डिजिटल संचार के वर्तमान स्वरूप तक की यात्रा का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता के विविध आयामों और माध्यमों के साथ कदम से कदम मिलाकर चलना आज की आवश्यकता है। जनसंपर्क अधिकारी होने के नाते प्रत्येक अधिकारी को अपने भीतर के पत्रकार को हमेशा जागृत रखना चाहिए। लेखन शैली को रचनात्मक और आकर्षक बनाते हुए खबरों को रोचक बनाना चाहिए। उन्होंने भाषा को सरल बनाए रखने और मानक शब्दावली के प्रयोग पर भी जोर दिया। वरिष्ठ पत्रकार अनिल तिवारी ने प्रतिभागियों को पत्रकारों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध स्थापित करने, शासन की गतिविधियों पर सूक्ष्म नजर रखने और जनता तक सटीक एवं पूर्ण जानकारी पहुँचाने के दायित्व को सर्वोपरि बताया। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि अधिकारियों के साथ सतत संवाद बनाए रखें और अपने क्षेत्र में सूचनाओं के आदान-प्रदान के लिए मजबूत नेटवर्क खड़ा करें। कार्यक्रम के अंत में माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. अविनाश वाजपेयी ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जनसंपर्क अधिकारियों का यह प्रशिक्षण न केवल एक ज्ञानवर्धक मंच सिद्ध हुआ, बल्कि उनके भीतर नेतृत्व, संवाद और प्रभावी संप्रेषण की नई ऊर्जा का संचार भी करता दिखाई दिया। उन्होंने सत्र में शामिल होने के लिए सभी विशिष्ट अतिथियों और प्रतिभागियों का आभार जताया। इस प्रशिक्षण में सहायक जनसंपर्क अधिकारियों को संचार और जनसंपर्क के विविध पहलुओं से अवगत कराया गया। विभिन्न क्षेत्रों से आमंत्रित विशेषज्ञों और अनुभवी जनसंपर्क अधिकारियों ने अपने विचार एवं अनुभव साझा किए। प्रशिक्षण सत्रों ने प्रतिभागियों को न केवल व्यावहारिक समझ दी, बल्कि उन्हें प्रेरित भी किया कि वे अपने उत्तरदायित्वों का निर्वहन प्रभावशाली ढंग से कर सकें।

वर्ष-22 अंक-326
पृष्ठ-8 मूल्य-2.00
भोपाल
शुक्रवार 27 जून 2025
आषाढ़ शुक्ल पक्ष द्वितीया
विक्रम संवत्-2082
E-mail
dainiksamayjagat@gmail.com
insmjagat@gmail.com

प्रधान संपादक : अशोक त्रिपाठी

दैनिक समय जगत

भोपाल, दिल्ली, म.प्र., उ.प्र. और अन्य राज्यों से एक साथ प्रकाशित

एक संदेश-पूरा देश

म.प्र. के सर्वाधिक केंद्रों तक प्रसारित प्रदेश का एकमात्र समाचार पत्र

ईश्वर से अधिक मूल्यवान दुनिया में कुछ भी नहीं...

शीर्ष की ओर 'समय जगत'
Facebook
asksamayjagat
Instagram
@asksamayjagat
Twitter
@asksamayjagat
यूट्यूब पर
'खबर समय जगत'
को भी सब्सक्राइब करें
www.dainiksamayjagat.in

एमसीयू में जनसंपर्क अधिकारियों की 5 दिवसीय कार्यशाला का हुआ समापन

समय जगत, भोपाल। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में सहायक जनसंपर्क अधिकारियों के पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का सफल समापन हुआ। इस अवसर पर कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने कहा कि अतः अस्ति आरंभ हर अंत एक नई शुरुआत की ओर अग्रसर करता है। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को शुभकामनाएं दीं और उन्हें प्रोत्साहित करते हुए लेखक जिम कॉर्बेट की पुस्तक 'मेरा हिंदुस्तान' पढ़ने की सलाह दी। जनसंपर्क विभाग के अपर संचालक जी.एस. वाधवा ने अपने संबोधन में लेखन शक्ति को बढ़ाने पर बल देते हुए कहा कि आपका नेटवर्क जितना व्यापक होगा, आपका कार्यक्षेत्र उतना ही प्रभावी और सशक्त होगा। उन्होंने जिला स्तर पर सूचना का अग्रिम केंद्र बनने और स्थानीय समुदाय से सीधे जुड़ाव बनाए रखने की आवश्यकता पर बल दिया। समापन सत्र में वरिष्ठ पत्रकार श्री अजीत ने अपने अनुभवों को साझा करते हुए डाक युग से लेकर ईमेल और डिजिटल संचार के वर्तमान स्वरूप तक की यात्रा का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता के विविध आयामों और माध्यमों के साथ कदम से कदम मिलाकर चलना आज की आवश्यकता है। जनसंपर्क अधिकारी होने के नाते प्रत्येक अधिकारी को अपने भीतर के पत्रकार को हमेशा जागृत रखना चाहिए। लेखन शैली को रचनात्मक और आकर्षक बनाते हुए खबरों को रोचक बनाना चाहिए। उन्होंने भाषा को सरल बनाए रखने और मानक शब्दावली के प्रयोग पर भी जोर दिया। वरिष्ठ पत्रकार श्री अनिल तिवारी ने प्रतिभागियों को पत्रकारों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध स्थापित करने, शासन की गतिविधियों पर सूक्ष्म नजर रखने और जनता तक सटीक एवं पूर्ण जानकारी पहुँचाने के दायित्व को सर्वोपरि बताया। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि अधिकारियों के साथ सतत संवाद बनाए रखें और अपने क्षेत्र में सूचनाओं के आदान-प्रदान के लिए मजबूत नेटवर्क खड़ा करें। कार्यक्रम के अंत में माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. अविनाश वाजपेयी ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जनसंपर्क अधिकारियों का यह प्रशिक्षण न केवल एक ज्ञानवर्धक मंच सिद्ध हुआ, बल्कि उनके भीतर नेतृत्व, संवाद और प्रभावी संप्रेषण की नई ऊर्जा का संचार भी करता दिखाई दिया। उन्होंने सत्र में शामिल होने के लिए सभी विशिष्ट अतिथियों और प्रतिभागियों का आभार जताया। इस प्रशिक्षण में सहायक जनसंपर्क अधिकारियों को संचार और जनसंपर्क के विविध पहलुओं से अवगत कराया गया। विभिन्न क्षेत्रों से आमंत्रित विशेषज्ञों और अनुभवी जनसंपर्क अधिकारियों ने अपने विचार एवं अनुभव साझा किए। प्रशिक्षण सत्रों ने प्रतिभागियों को न केवल व्यावहारिक समझ दी, बल्कि उन्हें प्रेरित भी किया कि वे अपने उत्तरदायित्वों का निर्वहन प्रभावशाली ढंग से कर सकें।

एमसीयू में जनसंपर्क अधिकारियों के 5 दिवसीय प्रशिक्षण का हुआ समापन

हर अंत एक नई शुरुआत की ओर अग्रसर करता है: कुलगुरु तिवारी

(पोहप सिंह माण्डले)

पीपुल्स प्रवक्ता, भोपाल।

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में सहायक जनसंपर्क अधिकारियों के पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का सफल समापन हुआ। इस अवसर पर कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने कहा कि अतः अस्ति आरंभ÷ हर अंत एक नई शुरुआत की ओर अग्रसर करता है। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को शुभकामनाएं दीं और उन्हें प्रोत्साहित करते हुए लेखक जिम कॉर्बेट की पुस्तक 'मेरा हिंदुस्तान' पढ़ने की सलाह दी। जनसंपर्क विभाग के अपर संचालक जी.एस. वाधवा ने अपने संबोधन में लेखन शक्ति को बढ़ाने पर बल देते हुए कहा कि

आपका नेटवर्क जितना व्यापक होगा, आपका कार्यक्षेत्र उतना ही प्रभावी और सशक्त होगा। उन्होंने जिला स्तर पर सूचना का अग्रिम केंद्र बनने और स्थानीय समुदाय से सीधे जुड़ाव बनाए रखने की आवश्यकता पर बल दिया। समापन सत्र में वरिष्ठ पत्रकार श्री अजीत ने अपने अनुभवों को साझा करते हुए डाक युग से लेकर ईमेल और डिजिटल संचार के वर्तमान स्वरूप तक की यात्रा का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता के विविध आयामों और माध्यमों के साथ कदम से कदम मिलाकर चलना आज की आवश्यकता है। जनसंपर्क अधिकारी होने के नाते प्रत्येक अधिकारी को अपने भीतर के पत्रकार को हमेशा जागृत रखना चाहिए। लेखन शैली को रचनात्मक और आकर्षक बनाते हुए खबरों को रोचक बनाना चाहिए। उन्होंने भाषा को सरल बनाए रखने और मानक शब्दावली के प्रयोग पर भी जोर दिया कार्यक्रम के अंत में माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. अविनाश वाजपेयी ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जनसंपर्क अधिकारियों का यह प्रशिक्षण न केवल एक ज्ञानवर्धक मंच सिद्ध हुआ, बल्कि उनके भीतर नेतृत्व, संवाद और प्रभावी संप्रेषण की नई ऊर्जा का संचार भी करता दिखाई दिया। उन्होंने सत्र में शामिल होने के लिए सभी विशिष्ट अतिथियों और प्रतिभागियों का आभार जताया। इस प्रशिक्षण में सहायक जनसंपर्क अधिकारियों को संचार और जनसंपर्क के विविध पहलुओं से अवगत कराया गया। विभिन्न क्षेत्रों से आमंत्रित विशेषज्ञों और अनुभवी जनसंपर्क अधिकारियों ने अपने विचार एवं अनुभव साझा किए। प्रशिक्षण सत्रों ने प्रतिभागियों को न केवल व्यावहारिक समझ दी, बल्कि उन्हें प्रेरित भी किया कि वे अपने उत्तरदायित्वों का निर्वहन प्रभावशाली ढंग से कर सकें।

कार्यशाला

पत्रकारिता विवि में जनसंपर्क अधिकारियों के प्रशिक्षण कार्यशाला का समापन

एक नई शुरुआत की ओर अग्रसर करता है किसी भी कार्य का अंत : तिवारी

खदेश ज्योति संवाददाता, भोपाल

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में सहायक जनसंपर्क अधिकारियों के पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का सफल समापन हुआ। समापन अवसर पर विवि के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी, वरिष्ठ पत्रकार एवं जनसंपर्क विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर कुलगुरु विजयमनोहर तिवारी ने कहा कि 'अतः अस्ति आरंभ हर अंत एक नई शुरुआत की ओर अग्रसर करता है। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को शुभकामनाएं दीं और उन्हें प्रोत्साहित करते हुए लेखक जिम कॉर्बेट की पुस्तक 'मेरा हिंदुस्तान पढने की सलाह दी। जनसंपर्क विभाग के अपर संचालक जीएस वाधवा ने अपने संबोधन में लेखन शक्ति को बढ़ाने पर बल देते हुए कहा कि आपका नेटवर्क जितना व्यापक होगा, आपका कार्यक्षेत्र उतना ही प्रभावी और सशक्त होगा। उन्होंने जिला स्तर पर सूचना का अग्रिम केंद्र बनने और स्थानीय

समुदाय से सीधे जुड़ाव बनाए रखने की आवश्यकता पर बल दिया। समापन सत्र में वरिष्ठ पत्रकार अजीत ने अपने अनुभवों को साझा करते हुए डाक युग से लेकर ईमेल और डिजिटल संचार के वर्तमान स्वरूप तक की यात्रा का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता के विविध आयामों और माध्यमों के साथ कदम से कदम मिलाकर चलना आज की आवश्यकता है। जनसंपर्क अधिकारी होने के नाते प्रत्येक अधिकारी को अपने भीतर के पत्रकार को हमेशा जाग्रत रखना चाहिए। लेखन शैली को रचनात्मक और आकर्षक बनाते हुए खबरों को रोचक बनाना चाहिए। उन्होंने भाषा को सरल बनाए रखने और मानक शब्दावली के प्रयोग पर भी जोर दिया।

अपने भीतर के पत्रकार को बचाये रखें

वरिष्ठ पत्रकार अनिल तिवारी ने प्रतिभागियों को पत्रकारों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध स्थापित करने, शासन की गतिविधियों पर सूक्ष्म नजर रखने और जनता तक सटीक एवं पूर्ण जानकारी पहुँचाने के दायित्व को सर्वोपरि बताया। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि अधिकारियों के साथ सतत संवाद बनाए रखें और अपने क्षेत्र में सूचनाओं के आदान-प्रदान के लिए मजबूत नेटवर्क खड़ा करें। कार्यक्रम के अंत में विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. अविनाश वाजपेयी ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जनसंपर्क अधिकारियों का यह प्रशिक्षण न केवल एक ज्ञानवर्धक मंच सिद्ध हुआ, बल्कि उनके भीतर नेतृत्व, संवाद और प्रभावी संप्रेषण की नई ऊर्जा का संचार भी करता दिखाई दिया। उन्होंने सत्र में शामिल होने के लिए सभी विशिष्ट अतिथियों और प्रतिभागियों का आभार जताया। इस प्रशिक्षण में सहायक जनसंपर्क अधिकारियों को संचार और जनसंपर्क के विविध पहलुओं से अवगत कराया गया। विभिन्न क्षेत्रों से आमंत्रित विशेषज्ञों और अनुभवी जनसंपर्क अधिकारियों ने अपने विचार एवं अनुभव साझा किए। प्रशिक्षण सत्रों ने प्रतिभागियों को न केवल व्यावहारिक समझ दी, बल्कि उन्हें प्रेरित भी किया कि वे अपने उत्तरदायित्वों का निर्वहन प्रभावशाली ढंग से कर सकें।

प्रशिक्षण | जितना व्यापक नेटवर्क, उतना व्यापक कार्यक्षेत्रः अपर संचालक वाधवा

एमसीयू में जनसंपर्क अधिकारियों के 5 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का सफल समापन

हर अंत एक नई शुरूआत की ओर अग्रसर करता है : कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी

दैनिक भेल पॉवर

भोपाल। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में सहायक जनसंपर्क अधिकारियों के पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का सफल समापन हुआ। इस अवसर पर कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने कहा कि ₹अतः अस्ति आरंभ₹ हर अंत एक नई शुरूआत की ओर अग्रसर करता है। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को शुभकामनाएं दीं और उन्हें प्रोत्साहित करते हुए लेखक जिम कॉर्बेट की पुस्तक ह्यमेरा हिंदुस्तानह्ल पढ़ने की सलाह दी। जनसंपर्क विभाग के अपर संचालक जी.एस. वाधवा ने अपने संबोधन में लेखन शक्ति को बढ़ाने पर

बल देते हुए कहा कि आपका नेटवर्क जितना व्यापक होगा, आपका कार्यक्षेत्र उतना ही प्रभावी और सशक्त होगा। उन्होंने जिला स्तर पर सूचना का अग्रिम केंद्र बनने और स्थानीय समुदाय से सीधे जुड़ाव बनाए रखने की आवश्यकता पर बल दिया। समापन सत्र में वरिष्ठ पत्रकार श्री अजीत ने अपने अनुभवों को साझा करते हुए डाक युग से लेकर ईमेल और डिजिटल संचार के वर्तमान स्वरूप तक की यात्रा का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता के विविध आयामों और माध्यमों के साथ कदम से कदम मिलाकर चलना आज की आवश्यकता है। जनसंपर्क अधिकारी होने के नाते प्रत्येक अधिकारी को अपने भीतर के पत्रकार को हमेशा जागृत रखना चाहिए। लेखन शैली को रचनात्मक और आकर्षक बनाते हुए खबरों को रोचक बनाना चाहिए। उन्होंने भाषा को सरल बनाए रखने और मानक शब्दावली के प्रयोग पर भी जोर दिया। वरिष्ठ पत्रकार श्री अनिल तिवारी ने प्रतिभागियों को पत्रकारों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध स्थापित करने, शासन की गतिविधियों पर सूक्ष्म नजर रखने और जनता तक सटीक एवं पूर्ण जानकारी पहुँचाने के दायित्व को सर्वोपरि बताया। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि अधिकारियों के साथ सतत संवाद बनाए रखें और अपने क्षेत्र में सूचनाओं के आदान-प्रदान के लिए मजबूत नेटवर्क खड़ा करें। कार्यक्रम के अंत में माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. अविनाश वाजपेयी ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जनसंपर्क अधिकारियों का यह प्रशिक्षण न केवल एक ज्ञानवर्धक मंच सिद्ध हुआ, बल्कि उनके भीतर नेतृत्व, संवाद और प्रभावी संप्रेषण की नई ऊर्जा का संचार भी करता दिखाई दिया। उन्होंने सत्र में शामिल होने के लिए सभी विशिष्ट अतिथियों और प्रतिभागियों का आभार जताया।

एमसीयू में जनसंपर्क अधिकारियों की प्रशिक्षण कार्यशाला सम्पन्न

हर अंत एक नई शुरुआत की ओर अग्रसर करता है : कुलगुरु

जितना व्यापक नेटवर्क उतना व्यापक कार्यक्षेत्र: वाधवा

अमन संवाद/भोपाल।

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में सहायक जनसंपर्क अधिकारियों के पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का सफल समापन हुआ। इस अवसर पर कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने कहा कि अत: अस्ति आरंभ हर अंत एक नई शुरुआत की ओर अग्रसर करता है। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को शुभकामनाएं दीं और उन्हें प्रोत्साहित करते हुए लेखक जिम कॉर्बेट की पुस्तक 'मेरा हिंदुस्तान' पढ़ने की सलाह दी। जनसंपर्क विभाग के अपर संचालक जीएस. वाधवा ने अपने संबोधन में लेखन शक्ति को बढ़ाने पर बल देते हुए कहा कि आपका नेटवर्क जितना व्यापक होगा, आपका कार्यक्षेत्र उतना ही प्रभावी और सशक्त होगा। उन्होंने जिला स्तर पर सूचना का अग्रिम केंद्र बनने और स्थानीय समुदाय से सीधे जुड़ाव बनाए रखने की आवश्यकता पर बल दिया। समापन सत्र में वरिष्ठ पत्रकार श्री अजीत ने अपने अनुभवों को साझा करते हुए डाक युग से लेकर ईमेल और डिजिटल संचार के वर्तमान स्वरूप तक की यात्रा का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता के विविध आयामों और माध्यमों के साथ कदम से कदम मिलाकर चलना आज की आवश्यकता है। जनसंपर्क अधिकारी होने के नाते प्रत्येक अधिकारी को अपने भीतर के पत्रकार को हमेशा जागृत रखना चाहिए। लेखन शैली को रचनात्मक और आकर्षक बनाते हुए खबरों को रोचक बनाना चाहिए उन्होंने भाषा को सरल बनाए रखने और मानक शब्दावली के प्रयोग पर भी जोर दिया। वरिष्ठ पत्रकार अनिल तिवारी ने प्रतिभागियों को पत्रकारों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध स्थापित करने शासन की गतिविधियों पर सूक्ष्म नजर रखने और जनता तक सटीक एवं पूर्ण जानकारी पहुँचाने के दायित्व को सर्वोपरि बताया। उन्होंने यह भी

सुझाव दिया कि अधिकारियों के साथ सतत संवाद बनाए रखें और अपने क्षेत्र में सूचनाओं के आदान-प्रदान के लिए मजबूत नेटवर्क खड़ा करें। कार्यक्रम के अंत में माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. अविनाश वाजपेयी ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जनसंपर्क अधिकारियों का यह प्रशिक्षण न केवल एक ज्ञानवर्धक मंच सिद्ध हुआ, बल्कि उनके भीतर नेतृत्व संवाद और प्रभावी संप्रेषण की नई ऊर्जा का संचार भी करता दिखाई दिया। उन्होंने सत्र में शामिल होने के लिए सभी विशिष्ट अतिथियों और प्रतिभागियों का आभार जताया। इस प्रशिक्षण में सहायक जनसंपर्क अधिकारियों को संचार और जनसंपर्क के विविध पहलुओं से अवगत कराया गया। विभिन्न क्षेत्रों से आमंत्रित विशेषज्ञों और अनुभवी जनसंपर्क अधिकारियों ने अपने विचार एवं अनुभव साझा किए। प्रशिक्षण सत्रों ने प्रतिभागियों को न केवल व्यावहारिक समझ दी, बल्कि उन्हें प्रेरित भी किया कि वे अपने उत्तरदायित्वों का निर्वहन प्रभावशाली ढंग से कर सकें।

एमसीयू में जनसंपर्क अधिकारियों की प्रशिक्षण कार्यशाला सम्पन्न

https://www.amansamvad.com/2025/06/blog-post_27.html?m=1

https://atulyabharatchetna.org.in/?p=32073

https://www.bhaskarhindi.com/education/har-ant-ek-nai-shuruaat-ki-or-agrasar-karata-hai-kulguru-vijay-manohar-tiwari-1155570